

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५२५ (२२५)

ग्रंथ नाम पं. मभंग.

विषय मराठी काव्य.



ने-३

मराठी-काव्य.

५१६५२

224

शिवतनयकृत पद

केशव काशी

लुकाराम नामदेव जनाबाई

शिवतनय, शानेश्वर, सोपान,
निवृत्ती.



अश्वेगोचरे बाई

॥ दीक्षेच जे अग्र ॥ सुण्याचे हे सारा ॥ तेंचि
 ॥ दषवे द्वारा ॥ पाहे व्यापा ॥ १॥ कमळत तु
 ॥ जैसा ॥ कमोदनी असो ॥ वरते प्रकाषतु
 ॥ स्प जैसा ॥ २॥ ते हो मधुकरा ॥ खेळे नील
 ॥ अंत ॥ सुक्ष्म पाहांत ॥ अतिलिना ॥ ३॥
 ॥ लीन होतुनियां ॥ मुनीचिये परी ॥ जीत
 ॥ द्विवोचरी ॥ अति ॥ ४॥ जे हा मुकुं
 ॥ ५॥ अवधारि ॥ गोलां मे शब्द
 ॥ लिन जे ॥ ६॥ शब्द सरला निषे
 ॥ ७॥ दुजाला ॥ कोन ॥ कल ॥ सांगरे पा ॥
 ॥ नो देविण ॥ ८॥ येण नादा वा द्या
 ॥ विण गजर कसा जीला ॥ ९॥ ओठ पिठ
 ॥ तळि ॥ सहस्र दळं वरी ॥ तेथे येक चिमो
 ॥ हरी वाजविलि ॥ १०॥ नव हिरवा लति ॥ हा हा
 ॥ वेवरत ॥ ना दे स्वर तेथे प्रगटल ॥ ११॥ मन
 ॥ हा सुजगा सुलोनिया गेला ॥ छे दे डवरला
 ॥ मुकुंद मुनि ॥ १२॥



॥ काळेनांसां वळे ॥ धवळेनापिवळ ॥ ना
 ॥ हाबिंदावेगळे ॥ तेकवणनेचागया ॥
 ॥ गोडापरीसगोडा ॥ गगनापरीसवाडः
 ॥ चौदासुवनज्याचिचाडा ॥ तेकवणने
 ॥ चागया ॥ २ ॥ ज्ञानदेवामानले ॥ माझे
 ॥ मजपुढेहाविलें ॥ दोहिलेंचेयककेलेः ॥
 ॥ लेजालेग्यागया ॥ काळिकाउन्म
 ॥ नि ॥ गोडा ॥ सज्जवीजव
 ॥ वी ॥ एतमान ॥ हाहेयरुणवे
 ॥ ३ ॥ सोपनाज ॥ मनचिकाज
 ॥ विऊनई ॥ उरितोज्ञान ॥ सो
 ॥ पानासिसंगा ॥ अणीकांचापांगना
 ॥ हिसासी ॥ ६ ॥

॥ बहुदिवस होतोगावि ॥ अतो ह्म पाउसो ॥
 ॥ द्यावी ॥ १ ॥ अह्मी जातो अतुल्या गावा ॥
 ॥ तु सालोप असो द्यावा ॥ २ ॥ लीखित पत्र
 ॥ पाठवाव ॥ अमुचे स्मरण असु द्यावा ॥ ३
 ॥ तु से पाई अमुचे मन ॥ अमुचे ठाई तु सा
 ॥ प्राण ॥ १ ॥ नामा लोपे ला के रावा ॥ अरवे
 ॥ उत्रे मसा वय ॥ १ ॥ ॥
 ॥ वैराग्य प्राप्त ॥ १ ॥ गपे नाहि ॥ १ ॥ परी
 ॥ तो विवेक मुर ॥ १ ॥ वा ॥ साधन मात्रा
 ॥ लागी बीसावा ॥ १ ॥ रमात्र पुसावा ॥ १ ॥
 ॥ मपिन सावा ॥ १ ॥ ज्याचि कुटाचि
 ॥ साति ॥ कंथा असो असेवति ॥ वीत सर
 ॥ सुमिका अंगा पुति ॥ ममता सांडुनियां पु
 ॥ रति ॥ कर्म बळे सुरव काहि ॥ १ ॥ दुई प्राट
 ॥ किची दोटि ॥ कडवा पुढेय कल गोटि ॥
 ॥ समई साकर डुक्रडा रोटि ॥ वस्ति सदा
 ॥ पर्ण कुटि ॥ हरी हर सजनि राहि ॥ ३ ॥

॥ पालख्या घोडे हास्ती उठे ॥ तयां मागे उडे ॥
 ॥ उडटे ॥ कारमागचे कर्म खोटे ॥ जैसे जुन
 ॥ जर्जर पेटे ॥ घालुनि मध्य प्रवाहि ॥ १ ॥ आ
 ॥ मृत गये सेवक संताचा ॥ हाचि पुर्ण मनो
 ॥ थहाचा ॥ साक्षोचि ठल रसु माईच्या अस्त
 ॥ रयां मिग्रहि ॥ १ ॥ ॥ तो हां सति त्या वि
 ॥ सावा ॥ उंसां पाचा गीने धावा ॥ १ ॥ थोर नि
 ॥ ज्ञापका पिष्य ॥ गेवताली वासः
 ॥ सवसी धुं उर ॥ हासे ला उनीष
 ॥ पण ॥ ३ ॥ हाते ॥ तातुका मुरवी घा
 ॥ लिक्क वतिक ॥ ४ ॥ ह्मणे ह्मपादानि ॥
 ॥ फोडे अथ वडिची धना ॥ ५ ॥ ॥ उसी मुर्त
 ॥ माझ्या नयेनात गुतलि ॥ गुणाच्या अगुणास
 ॥ गुणानिर्गुणा ॥ निश्चये बुद्धि सकतलि ॥ १ ॥ वा
 ॥ मसुंदर च्यतुर्भुज्य पक्रज्यलोचन मुतसवि
 ॥ ३ ॥ धुतलि ॥ २ ॥ कीकरनाटक केशरनामासी
 ॥ वंदिन सावेवोतलि ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥

अतंहे उचितः मास्तिजनाहतिः पाहिजे
 ॥ फजेति कोलेकां हि ॥ ११ ॥ मगमि तुमचे नसे
 ॥ डिचेरण ॥ त्रासो निया मनये इल्ल बाया ॥ १२ ॥
 ॥ वाउगेवाणी चान धरी कां राळा ॥ ऐसिकां
 ॥ चांडाळाः बुधी मासी ॥ १३ ॥ तुका त्रणे जरीः
 ॥ वैसे मना धावा तरी मनवा वन घे पुढे ॥ १४ ॥
 ॥ लाजवाटे धारः मुख दाखवितो ॥
 ॥ तरीजा उफतावे ॥ १५ ॥ तुकुनिया
 ॥ सेवाः मागतो ॥ जका जेत खोरा
 ॥ नाहि मज ॥ १६ ॥ पां पावे फीरतो बा
 ॥ सरा ॥ स्या मिसेव ॥ यार हो उनिया ॥ १७ ॥
 ॥ तुका त्रणे मज ॥ हेडिले ॥ न पाहिजे
 ॥ केले पुढे जैसो ॥ १८ ॥ रावणाचे सागे
 ॥ पाहा हो जगा धा ॥ संगतो सावध हो उन
 ॥ जैका ॥ १९ ॥ कोउ पांच लक्ष ॥ दोन ते कुमरः
 ॥ उसो निरंतर दारामध्ये ॥ २० ॥ पांच कोउ बा
 ॥ नाः लक्षे जस्ये स्वारा ती तुके हां की केवः
 ॥ वेगळाले ॥ २१ ॥ दोन लक्षे ज्याचिः दासि

॥ नीनतन ॥ सेवेसीतसरा ॥ सहोदित ॥ ४ ॥
 ॥ गाईलैसीवृत्रास ॥ साचानाहिपाग ॥
 ॥ इच्चाचाविचारः कोणजाण ॥ ५ ॥ दोनि
 ॥ लक्षज्याचें ॥ बंदिज्यनसंख्या ॥ पायेद
 ॥ दलेखा नकनवे ॥ ६ ॥ तुकाहणजेअसा
 ॥ सोगीतांसोहला ॥ सांगातेअधेला ॥ ने
 ॥ लानाहि ॥ ७ ॥ उबोहेसीपाला
 ॥ पाहाताविना ॥ छाहटलिहद
 ॥ यामाजि ॥ ११ ॥ जननि ॥ सनवीये
 ॥ सांगातिनी ॥ १२ ॥ बोनि ॥ दईक्षेम
 ॥ तुमासिपदि ॥ तुझेअज ॥ चारा
 ॥ घालिमज ॥ पांडुंगा ॥ १३ ॥ तुमासिकुरं
 ॥ गीणी ॥ मीतुसेपाउसा ॥ गुनलोसवफाशे
 ॥ सोअविमजे ॥ १४ ॥ मीतेतुसेवछे ॥ तुमा
 ॥ सीगाउलि ॥ बोसवोचालि ॥ प्रेमपान्हा
 ॥ १५ ॥ नामाहणजेअसपुरवाविना ॥ सीता
 ॥ न्होलीयासिपाजि ॥ प्रेमपान्हा ॥

॥संतवारणमैजाउंगी॥अपनाहिलस
 ॥मजाउंगी॥१५॥पगकेसेवाकरुतेजदद
 ॥बोधबतायेमजगोवीद॥१॥देउलुटास
 ॥बधनेडरो॥ख्यालपडोरुमतमेना॥३॥
 ॥चिबकप्रभुकेगुणागाउ॥अटछपदमै
 ॥तबपाउ॥४॥अपनेखीरिचाउ
 ॥दिमाउदमातरि॥१॥गीतिब्राह्मणः कल
 ॥युगी॥१॥साग॥करितसेलखा॥
 ॥तोडावरीपुकाः॥१॥अवगमायनाजः
 ॥नावेहेकागदि॥१॥नाकध्रानारायेणा
 ॥तुकाहणदे॥१॥पराधेना॥पांडुरं
 ॥गावेणठावनाहि॥१॥सुनसासु
 ॥सिसांडता॥तेथेपापाचेपर्वत॥१॥येकाउ
 ॥रुगाहोवीनारी॥पापवसेसाचेचरी॥३॥
 ॥जेथेजखातिवाधेद॥पापवसेतेथेसद
 ॥तुकाहणोनीरंजनि॥तेथेकैचाअह
 ॥ज्ञानि॥४॥होकाडुराच्यारी:-

॥ मुखीनामजो उच्चादी ॥ १ ॥ सात्वी सत्त्वित्वे
 ॥ सत्त्वमादासमीप्यं कित ॥ कायावत्त्वा मनस
 ॥ हीता ॥ २ ॥ भावनसेचिति ॥ हरीचे गुणगा
 ॥ तागीति ॥ ३ ॥ घडोप्यनाचाव ॥ मुखीनामा
 ॥ त्वा उच्चादी ॥ ४ ॥ हों कासलते कुब् ॥ अथवा
 ॥ शुद्धचांजव ॥ ५ ॥ ह्मणे वीहीचा दासा ॥ तु
 ॥ का ह्मणे धन्यसास ॥ ६ ॥ ॥ अस्तितुही
 ॥ जा उचल ॥ ७ ॥ गाचि वला ॥ वेष्टु
 ॥ नाणासिगाडा ॥ कासिप्याडा ॥ ८ ॥
 ॥ सापउल ॥ पुक ॥ लसति हीलोका ॥
 ॥ नामा ह्मणे वंड ॥ कां हि उरुजीविचि
 ॥ खुणा ॥ ९ ॥ ॥ न नियांज ॥ १० ॥ ची
 ॥ तिना हिप्पनुताप ॥ ११ ॥ कायकनित्तिर्याट
 ॥ १२ ॥ मनिसरले अस्वगुण ॥ १३ ॥ मनिसंक्र
 ॥ ल्याचिपापे ॥ नजातिनीर्याचेनीबापे ॥ १४ ॥
 ॥ नामा ह्मणे देवर्मसोपे ॥ पापजाये अमुता
 ॥ पो ॥ १५ ॥

॥ नाहि बळ योग अप्यास कराया ॥ न
 ॥ कळति कीया साधनाचि ॥ १ ॥ तुसी
 ॥ येसे टिच प्रेम अतरेंगी ॥ नाहि बळ
 ॥ अंगी मजनाचा ॥ २ ॥ काय पांडुरंगाः
 ॥ करुबावी चारा ॥ सुरत अतरे सेटाव
 ॥ या ॥ ३ ॥ तुका हाणे सांगा ॥ वडिल पण
 ॥ बुद्धी ॥ तुजवी ॥ निधि पुरुको
 ॥ णहा ॥ ४ ॥ कुनिया पोटेजे
 ॥ मरीति ॥ तय ॥ गति ये मपुरी ॥
 ॥ कन्याचा जोन ॥ विकरा ॥ तो
 ॥ जाये अघोरा ॥ तो ॥ ५ ॥ नाम हे
 ॥ गाउनि द्रव्य जमा गति ॥ नेणायाचि
 ॥ गति ॥ काये होये ॥ अकैसे होये यांचे
 ॥ तेच बजाणाति ॥ अह्मासी संगतिः
 ॥ न लगे याचि ॥ ६ ॥ अमुचे संगति अ
 ॥ हे बाप्प्री ॥ हरी ॥ तो कांडुराचा रि
 ॥ तुका हाणे ॥ ५ ॥



॥नामैतत्तु अवर्धे जगत् ॥ ये मधुरीधा
॥ लुकाण ॥ १॥ ॥ करुहरीनाम कित्तिना ॥ तो
॥ दुद्धहा चैव धन ॥ २॥ ॥ करुहरीनामा च
॥ घोषो ॥ कुम्पा कपांडु वेसा ॥ ३॥ ॥ ऐसे
॥ नाम ये शवंता ॥ नामाया चारणांग
॥ ता ॥ ४॥ ॥ वाचने दावा वंदावा
॥ चिति ॥ ५॥ ॥ गे ॥ चरपाळ कळा
॥ धरा ॥ कळर ॥ ६॥ ॥ चरपाळ चार ॥
॥ गोपवधुरमन ॥ तानता ॥ वारण
॥ गर्वनिर्वार ॥ ७॥ ॥ कुंदरदनम्
॥ रवीदनयना ॥ वाचने दन सोमपदा बु
॥ जयाचा ॥ ८॥ ॥ रामचंद्रयकोदंड
॥ काणी ॥ ९॥ ॥ मारजन कसकुमार रमावरधी
॥ मरउदारदयां परमुर्ति ॥ १०॥ ॥ इंडीतनी पुकुळचं
॥ उपराक्रम ॥ चंडकरान्वय वंशविष्णुशार
॥ क्रोमळ कमळ दळायतले चनापि मया
॥ घनमंगळ धामा ॥ ११॥ ॥ ॥ ॥

॥ बाळाविणमाये ॥ क्षणमरीनराहे ॥ नदे
 ॥ खतां मायेकासाविसा ॥ १॥ अणीके उदंड
 ॥ बुझाविलेजरी ॥ छंदेतो अतंरीः माउ
 ॥ लीचा ॥ २॥ नावडतितया बोले अणी
 ॥ काचे ॥ देखा नियांनाचे माये दिशि ॥ ३॥
 ॥ तुका ह्मणे मासि ॥ विवळ माउलि ॥
 ॥ अणीका विवळ ॥ राड नाहि ॥ ४॥
 ॥ मूनवे ॥ सि जातोति
 ॥ शेंकनायसि ॥ सदा जेहमनि ॥
 ॥ यालाबो जावि ॥ णही ॥ ५॥ याला
 ॥ देखुनि देखे ॥ जातिथे कैसे घडे ॥ ६॥
 ॥ येतो कागला कुंभडा ॥ पाहुन येहाचे
 ॥ तोंडे ॥ ७॥ तुका ह्मणे जैसे कीति ॥ नरन
 ॥ रकाल जाति ॥ ८॥ ॥ अगला गोत
 ॥ या सुखा ॥ जेण हरीनये मुख ॥ ९॥ ज
 ॥ जो जळोते स्पुख ॥ धंन संतति उत्तम
 ॥ कुळा ॥ १०॥ मज होवो कां विपति ॥ ११॥

॥ दुःखं राहो चिति ॥ ३ ॥ तु का ह्मणे देई

॥ देवा ॥ तु सी अखंडित सेवा ॥ ४ ॥ ॥

॥ वैभव अलिया ॥ सर्व अहो होति ॥ नम

॥ तालावितिसोयेरीका ॥ १ ॥ अ पाकाका

॥ मामादादाबाबा अणा ॥ औसिनावे

॥ नाना ॥ गौरी विटि ॥ ताचि होरागे

॥ ल्या करी तेर ॥ ह्मणति दिवा

॥ व्यासांडले ॥ सांविनंदन ह्म

॥ गोविंदा पार ॥ णी चारखरातु

॥ चियेका ॥ ताचि होसतिः ना

॥ ठवे सर्वथा ॥ चीने दाचि कथा गोड लागे

॥ हातावरी हात हासो निअ फळि ॥ वाजवि

॥ तारा बिल जवाटे ॥ १ ॥ करीताना विणवि

॥ नोद टवाळि ॥ पडलि हात खिळि कथे मा

॥ जी ॥ ३ ॥ तु का ह्मणे थुकासाच्या तोडाव

॥ री ॥ जातो येम पुरी सोगावया ॥ ४ ॥

॥ नामाचि कर्तना साधन हे सो ये ॥ जळ
 ॥ तिल पाचे जे नामाचि ॥ १ ॥ नलगो साया
 ॥ सा ॥ जावे वणांत रा ॥ सुरवे येतो घरा नारा
 ॥ यण ॥ २ ॥ वाई चबै सुनी करा यकचितः
 ॥ अवडिप्पनंत अळवावा ॥ ३ ॥ राम हृद्य
 ॥ हरी ॥ विठल देवा नो हे जपा वे सर्व
 ॥ काळा ॥ राया ॥ रो ॥ गाहिजे से
 ॥ ध्याना ॥ ताह ॥ विगल्याचिः
 ॥ ३ ॥ तुका हण ॥ अहे सर्वा हुनि
 ॥ ३ ॥ हाहाणा ॥ यात अहे ॥ ५ ॥
 ॥ कमावित जगा ॥ येईल कार्या
 ॥ सी ॥ ध्यावे विठोबासि सुखालागी
 ॥ साचलिया धना ॥ होईल ठेवणी ते
 ॥ सी नारायणी जोडि करा ॥ ३ ॥ करा हा
 ॥ सी सादि ॥ परलोकिक मी ॥ सोडविल
 ॥ ये मा पासुनिया ॥ ३ ॥ तुका हण करा

॥ आभुना चमो ल ॥ नकावेचुबोल रामावि
 ॥ १॥ ॥ कायसुखअहेवाउगेबोल
 ॥ ता ॥ ध्यातां पंढरीनाथाः कष्टनाहि ॥ १॥ स्प
 ॥ र्वकाळवाचेः उच्चातीतां हरी ॥ तथा सुररा
 ॥ सरीपारनाहि ॥ ३॥ रामछट्टहरी ॥ रसनारंग
 ॥ ली ॥ अमृतउकळिनामलुसे ॥ ३॥ तुका ह्य
 ॥ णोधन्याज्याने ॥ नामछट्टवाणी
 ॥ अमुदिनि ॥ १॥ निचसुरवेसुरवी
 ॥ होयेदेवा पंढरी ॥ होतये ॥ १॥ सक्तज
 ॥ नसदा ॥ हरीकि ॥ यासा श्रीपतिही
 ॥ उतसो ॥ ३॥ जैलोपनना ॥ करीतां नारदा ॥
 ॥ यासंगेगोविदा ॥ दितसो ॥ ३॥ नारदमंजुळ
 ॥ स्वरेगितगाये ॥ भागेचालताहो ॥ सदां हरी
 ॥ तुका ह्यणेयालागेडि कितनवि ॥
 ॥ नाहिष्णीकाचिप्रीतिअसि ॥ ५॥

॥ रामपुरसे हनुमंता ॥ समुच्छसागं वितेक
 ॥ था ॥ कैसी सा पडलि सीता तु हला लागी ॥ १॥
 ॥ कंचनाचिलें कापुरी ॥ वसविलि निशा
 ॥ चरी ॥ तुंत वशीतरी ॥ गेलासि कैसा ॥ २॥
 ॥ मार्गबुद्ध कठीणा ॥ समुद्र शेत ये ज्येना ॥
 ॥ कैसे साधीले उड्डाण कपिराया ॥ ३॥ गर्व
 ॥ निधि माहा विरा ॥ निरक्षर सद्यो रघो
 ॥ दा ॥ तुंत यस्मै पकैसा ॥ ४॥ येथु
 ॥ निमीउजलो ॥ पोवलो ॥ अत्रो
 ॥ रवाच्या वनागे ॥ गथा ॥ ५॥ अशोख
 ॥ वनिजान की ॥ अहे पुरवी ॥ रामरा
 ॥ मातेचे मुखी ॥ रघुनाथ ॥ ६॥ जो ज्ञान किम्या
 ॥ चळखिलि ॥ मुद्रिका हटा किली ॥ बुद्ध
 ॥ दुखेदाटलि ॥ रघुनाथ ॥ ७॥ बागम्यात
 ॥ वावेदेसिल ॥ जंघुमाळि मारीला ॥ अ
 ॥ रवया पुत्रे त्राहटीला ॥ पोवळे वरी ॥ ८॥
 ॥ असा निम्या मारीलि ॥ लंका जावुन
 ॥ होळि केली ॥ प्रधान पुत्र वळि धरी

॥ लारामा ॥ १ ॥ रघुविराचेचेरणहृद्दी ॥ ध
 ॥ श्रीलेजाणदामोदरगोसाविहृणोसीता
 ॥ पति ॥ १ ॥ ॥ कोणोगाविअहेःसांगा
 ॥ रावेठल ॥ जरीठावाअसेलतुलाको
 ॥ णा ॥ १ ॥ लागतसेपाया ॥ येतेलोटागणी
 ॥ माततरीकोणीसांगायांचि ॥ २ ॥ सर्व
 ॥ स्वेहाजिवठेति ॥ कोणीपांडुरंगको
 ॥ णीहावितय ॥ हृणोगाईवछा
 ॥ तडातडि ॥ तौ ॥ डिजातिमजा ॥
 ॥ अजामे ॥ मरणासिषलाः
 ॥ तवरीस्मरल ॥ ॥ ॥ प्राणजाते
 ॥ वेळे ॥ हृणोनरायेणोसांसाटिविमान
 ॥ पाठाविला ॥ १ ॥ बडुछपासीधुःहोसिज
 ॥ गन्नाया ॥ ॥ त्रैलोक्येसमर्थोसोयेरीया
 ३ ॥ तुकाहृणोपक ॥ काजयाकैवारी
 ॥ तुजसाहाच्यारीवणीतांति ॥ ४ ॥ ॥

॥ अहो पंढरी पंढरी ॥ विठोरायाचि नगरी ॥
 १ ॥ सोवंतासी वरेंचा वेढा ॥ मध्ये पंढरीचा जुंडा ॥ ३ ॥ घस्त फिरे चक्रकोनी ॥
 ॥ टाळ मृदंगांचि ध्वनि ॥ ३ ॥ प्रदक्षणा ॥
 ॥ लोढा गंगा ॥ तेथे हरीदास गति गाणे ॥
 ॥ ऐसे स्छल नाहि कोणे ॥ तुकोबासि
 ॥ विठलसे ॥ १ ॥ ॥ ऐकामहि मा
 ॥ अवजिचि ॥ ४ ॥ सीमादिचि ॥ १ ॥
 ॥ शोरप्रेमाचा ॥ हाचि दुस्काळ
 ॥ तयाला ॥ ३ ॥ व ॥ नानि वेअनतः
 ॥ रवातो दोषदिचि ॥ १ ॥ ॥ यो हे सुदामदे
 ॥ वाची ॥ फळे मारी कोरडचि ॥ ३ ॥ न
 ॥ ह्मणे उचिष्ट अथवा थोडे ॥ तुका ह्म
 ॥ णे सक्ति पुढे ॥ १ ॥ ॥ पुंडलिकस
 ॥ कबळि ॥ देव अणी ला सुतचि ॥ १ ॥
 ॥ अने त अवताराचि कळा ॥ उभा वि

॥ टेवरीसांवळा ॥ १ ॥ वसुदेवानकळे
 ॥ पारा ॥ नामासवेजेवीसारा ॥ ३ ॥ सतसावा
 ॥ थाविकला ॥ दासीजनिअनंद्जालाः
 ४ ॥ ॥ आशाटीयेकादसि ॥ नामाहोता
 ॥ उपवासि ॥ १ ॥ देवगकुडधाडिला ॥ वेगे
 ॥ बोलावितयांला ॥ २ ॥ गीहिलणेपांडुरं
 ॥ गा ॥ कोणबोलावितयांला ॥ ३ ॥ माझ्या
 ॥ जीविच्याजी ॥ सिबोलावितले
 ॥ ज्ञाणा ॥ १ ॥ ॥ जनिका ॥ दासि
 ॥ जनिचाअत्म ॥ १ ॥ ॥ गवादि
 ॥ सीतोवाहिल ॥ १ ॥ नंदारपाळकेला
 १ ॥ जैसासतका ॥ १ ॥ घनहोसि ॥ साच्या
 ॥ वचेनेवर्तीसी ॥ १ ॥ साचेगर्भवाससो
 ॥ सि ॥ कदिहोताअबंरुसि ॥ ३ ॥ सर्वदुः
 ॥ गवासिसाहिले ॥ जनीलणेदळणके
 ॥ ले ॥ ४ ॥ ॥ ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com